

॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा। ग॒णप॑तिमि॒ति ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे।
 क॒विम्। क॒वीना॑म्। उ॒प॒मश्र॑वस्तम॒मित्यु॑प॒मश्र॑वः-त॒मम्॥
 ज्येष्ठ॑राजमि॒ति ज्येष्ठ॑-राजम्। ब्रह्म॑णाम्। ब्रह्म॑णः। प॒ते।
 ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्। ऊ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः। सी॒द। सा॒दन॑म्॥
 नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो। ते। इ॒षवे॑। नमः॑॥ नमः॑।
 ते। अ॒स्तु। ध॒न्व॒ने। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-भ्या॑म्। उ॒त। ते।
 नमः॑॥ या। ते। इ॒षुः। शि॒वत॑मे॒ति शि॒व-त॑मा। शि॒वम्।
 ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या। त॒व॑। त॒या॑।
 नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः। अ॒घो॑रा।
 अ॒पा॒प॒काशि॑नीत्य॒पा॒प-का॑शिनी॥ त॒या॑। नः। त॒नुवा॑।
 श॒न्त॑म॒येति॑ श॒म-त॑म॒या। गि॒रि॒श॒न्तेति॑ गि॒रि॒-श॒न्त॑। अ॒भी॒ति॑।
 चा॒क॒शी॒हि॑॥ या॒म्। इ॒षुम्॑। गि॒रि॒श॒न्तेति॑ गि॒रि॒-श॒न्त॑।
 ह॒स्तै॑।(१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि॒-त्र॑। ता॒म्। कुरु॑।
 मा। हि॒॒सीः। पु॒रुष॑म्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा। त्वा।

गिरि॒शः। अ॒च्छा। व॒दाम॒सि॒॥ यथा॑। नः॒। सर्व॑म्। इत्। जग॑त्।
 अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॒ इति॑ सु॒मनाः॑। अ॒सत्॑॥ अधी॑ति।
 अ॒वो॒चत्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि॒व॒क्ता। प्र॒थ॒मः। दै॒व्यः। भि॒षक्॑॥
 अ॒हीन॑। च। सर्वा॑न्। ज॒म्भ॒यन्। सर्वाः॑। च। या॒तु॒धा॒न्य॑
 इति॑ या॒तु॒धा॒न्यः॑॥ असौ॑। यः। ताम्रः॑। अ॒रु॒णः। उ॒त। ब॒भ्रुः।
 सु॒म॒ङ्ग॒ल॒ इति॑ सु॒म॒ङ्ग॒लः॑॥ ये। च। इ॒माम्। रु॒द्राः। अ॒भि॒तः।
 दि॒क्षु॑। (२)

श्रि॒ताः। स॒ह॒स्र॒श इति॑ स॒ह॒स्र॒शः॑। अ॒वे॒ति॑। ए॒षाम्। हे॒डः।
 ई॒म॒हे॑॥ असौ॑। यः। अ॒व॒स॒र्प॒ति॒त्य॑व॒स॒र्प॒ति॑। नील॑ग्री॒व इति॑
 नील॑-ग्री॒वः। वि॒लो॒हित॒ इति॑ वि॒लो॒हितः॑॥ उ॒त। ए॒नम्। गो॒पा
 इति॑ गो॒पाः। अ॒दृ॒श॒न्। अ॒दृ॒श॒न्। उ॒द॒हा॒र्य॑ इत्यु॒द॒हा॒र्यः॑॥
 उ॒त। ए॒नम्। वि॒श्वः॑। भू॒ता॒नि॑। सः। दृ॒ष्टः। मृ॒ड॒या॒ति॑। नः॑॥
 नमः॑। अ॒स्तु। नील॑ग्री॒वा॒ये॒ति॑ नील॑-ग्री॒वा॒य॑। स॒ह॒स्रा॒क्षा॒ये॒ति॑
 स॒ह॒स्र॒अ॒क्षा॒य॑। मी॒ढु॒षे॑॥ अथो॒ इति॑। ये। अ॒स्य॑। स॒त्वा॑नः।
 अ॒हम्। ते॒भ्यः॑। अ॒क॒र॒म्। नमः॑॥ प्रे॒ति॑। मु॒ञ्च॑। ध॒न्व॑नः। त्वम्।

उभयोः। आर्त्त्रियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्ते। इषवः।(३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वप॥ अवतत्येत्यव-तत्य।
 धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-
 इषुधे॥ निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखा। शिवः। नः।
 सुमना इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः।
 कपर्दिनः। विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्।
 उत॥ अनेशन। अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥
 या। ते। हेतिः। मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। हस्ते। बभूव। ते।
 धनुः॥ तया। अस्मान्। विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति।
 भुज॥ नमः। ते। अस्तु। आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय।
 धृष्णवे॥ उभाभ्याम्। उत। ते। नमः। बाहुभ्यामिति बाहु-
 भ्याम्। तव। धन्वने॥ परीति। ते। धन्वनः। हेतिः। अस्मान्।
 वृणक्तु। विश्वतः॥ अथो इति। यः। इषुधिरितीषु-धिः। तव।
 आरे। अस्मत्। नीति। धेहि। तम्॥(४)

नमः। हिरण्यबाहव इति हिरण्य-बाहवे। सेनान्य इति

सेना-न्ये॑। **दि॒शाम्। च॒। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑।
हरि॑केशेभ्य इति॑ हरि॑-केशेभ्यः॑। प॒शूनाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। स॒स्मिञ्ज॑राय। त्विषी॑मत इति॑ त्विषी॑-म॒ते। प॒थीनाम्।
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। ब॒भ्रुशाय॑। वि॒व्याधि॑न इति॑ वि॒-व्याधि॑ने॑।
अ॒न्ना॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। हरि॑केशायेति॑ हरि॑-केशा॒य।
उ॒प॒वी॒ति॒न् इत्यु॑प-वी॒ति॒ने॑। पु॒ष्टा॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
भ॒व॒स्य॑। हे॒त्यै। जग॑ताम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। रु॒द्राय॑।
आ॒त॒ता॒वि॒न् इत्या॑-त॒ता॒वि॒ने॑। क्षे॒त्रा॒णाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। सू॒ताय॑। अ॒ह॒न्त्या॑य। वना॑नाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒पत॑ये। वृ॒क्षाणा॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
म॒न्त्रिणे॑। वा॒णि॒जाय॑। कक्षा॑णाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
भुव॑न्तये॑। वा॒रि॒व॒स्कृ॒तायेति॑ वा॒रि॒वः-कृ॒ता॒य॑। ओष॑धीनाम्।
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। उ॒च्चैर्घो॑षायेत्युच्चैः-घो॒षा॒य॑। आ॒क्र॒न्दय॑त
इत्या॑-क्र॒न्दय॑ते। प॒त्ती॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
कृ॒त्स्न॒वी॒तायेति॑ कृ॒त्स्न॒-वी॒ता॒य॑। धाव॑ते। स॒त्त्वंनाम्।

पतये। नमः॥(६)

नमः। सहमानाय। निव्याधिन् इति नि-व्याधिने।
 आव्याधिनीनामित्या-व्याधिनीनाम्। पतये। नमः। नमः।
 ककुभाय। निषङ्गिण इति नि-सङ्गिने। स्तेनानाम्। पतये।
 नमः। नमः। निषङ्गिण इति नि-सङ्गिने। इषुधिमतु
 इतीषुधि-मतै। तस्कराणाम्। पतये। नमः। नमः। वञ्चते।
 परिवञ्चत इति परि-वञ्चते। स्तायूनाम्। पतये। नमः।
 नमः। निचेरव इति नि-चेरवे। परिचरायेति परि-चराय।
 अरण्यानाम्। पतये। नमः। नमः। सूकाविभ्य इति सूकावि-
 भ्यः। जिघांसद् इति जिघांसत्-भ्यः। मुष्णताम्।
 पतये। नमः। नमः। असिमद् इत्यसिमत्-भ्यः। नक्तम्।
 चरद् इति चरत्-भ्यः। प्रकृन्तानामिति प्र-कृन्तानाम्।
 पतये। नमः। नमः। उष्णीषिणे। गिरिचरायेति गिरि-चराय।
 कुलुश्चानाम्। पतये। नमः। नमः।(७)

इषुमद् इतीषुमत्-भ्यः। धन्वाविभ्य इति धन्वावि-भ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। आतन्वानेभ्य इत्या-तन्वानेभ्यः।

प्रति॒दधाने॑भ्य॒ इति॑ प्रति॒-दधाने॑भ्यः। च। वः। नमः॑। नमः॑।
 आय॑च्छ॒द्भ्य॒ इत्या॑यच्छ॒त्-भ्यः॑। वि॒सृज॑द्भ्य॒ इति॑ वि॒सृज॑त्-
 भ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॑द्भ्य॒ इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॑। वि॒ध्य॑द्भ्य॒
 इति॑ वि॒ध्य॑त्-भ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। आ॒सी॑नेभ्यः॑।
 श॒या॑नेभ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॑द्भ्य॒ इति॑ स्व॒प॑त्-भ्यः॑।
 जाग्र॑द्भ्य॒ इति॑ जाग्र॑त्-भ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। तिष्ठ॑द्भ्य॒
 इति॑ तिष्ठ॑त्-भ्यः॑। धाव॑द्भ्य॒ इति॑ धाव॑त्-भ्यः॑। च। वः। नमः॑।
 नमः॑। स॒भाभ्यः॑। स॒भाप॑तिभ्य॒ इति॑ स॒भाप॑ति-भ्यः॑। च। वः।
 नमः॑। नमः॑। अ॒श्वेभ्यः॑। अ॒श्वप॑तिभ्य॒ इत्य॑श्व॒पति॑-भ्यः॑। च।
 वः। नमः॑॥(८)

नमः॑। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः॑। वि॒विध्य॑न्तीभ्य॒
 इति॑ वि॒-विध्य॑न्तीभ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। उ॒ग॑णाभ्यः॑।
 तृ॒ह॒तीभ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। गृ॒त्सेभ्यः॑। गृ॒त्सप॑तिभ्य॒
 इति॑ गृ॒त्सप॑ति-भ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑। ब्रा॒तैभ्यः॑।
 ब्रा॒तप॑तिभ्य॒ इति॑ ब्रा॒तप॑ति-भ्यः॑। च। वः। नमः॑। नमः॑।
 गु॒णेभ्यः॑। गु॒णप॑तिभ्य॒ इति॑ गु॒णप॑ति-भ्यः॑। च। वः। नमः॑।

नमः। विरूपेभ्यः। विश्वरूपेभ्य इति विश्व-रूपेभ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। महद्भ्य इति महत्-भ्यः। क्षुल्लकेभ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। रथिभ्य इति रथि-भ्यः। अरथेभ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। रथेभ्यः।(९)

रथपतिभ्य इति रथपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 सेनाभ्यः। सेनानिभ्य इति सेनानि-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। क्षत्तृभ्य इति क्षत्-भ्यः। सङ्गृहीतृभ्य इति सङ्गृहीतृ-
 भ्यः। च। वः। नमः। नमः। तक्षभ्य इति तक्ष-भ्यः।
 रथकारेभ्य इति रथ-कारेभ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 कुलालेभ्यः। कर्मरिभ्यः। च। वः। नमः। नमः। पुञ्जिष्टेभ्यः।
 निषादेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इषुकृद्भ्य इतीषुकृत्-भ्यः।
 धन्वकृद्भ्य इति धन्वकृत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 मृगयुभ्य इति मृगयु-भ्यः। श्वनिभ्य इति श्वनि-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति
 श्वपति-भ्यः। च। वः। नमः॥(१०)

नमः। भवाय। च। रुद्राय। च। नमः। शर्वाय। च। पशुपतये।

च। नमः। नील॑ग्रीवा॒येति॑ नील॑-ग्रीवा॒य। च। शि॒ति॒कण्ठा॒येति॑
 शि॒ति॒-कण्ठा॒य। च। नमः। क॒प॒र्दि॒नै। च। व्यु॒त्त॒केशा॒येति॑
 व्यु॒त्त॒-केशा॒य। च। नमः। स॒ह॒स्रा॒क्षा॒येति॑ स॒ह॒स्र॒-अ॒क्षा॒य।
 च। श॒त॒ध॒न्व॒न इति॑ श॒त॒-ध॒न्व॒ने। च। नमः। गि॒रि॒शा॒य।
 च। शि॒पि॒वि॒ष्टा॒येति॑ शि॒पि॒-वि॒ष्टा॒य। च। नमः। मी॒ढु॒ष्ट॒मा॒येति॑
 मी॒ढुः-त॒मा॒य। च। इषु॑म॒त इतीषु॑-म॒ते। च। नमः। ह॒स्वा॒य।
 च। वा॒म॒ना॒य। च। नमः। बृ॒ह॒ते। च। वर्षी॑य॒से। च। नमः।
 वृ॒द्धा॒य। च। सं॒वृ॒ध्व॒न इति॑ स॒म्-वृ॒ध्व॒ने। च॥(११)

नमः। अ॒ग्नि॒या॒य। च। प्र॒थ॒मा॒य। च। नमः। आ॒श॒वै। च।
 अ॒जि॒रा॒य। च। नमः। शी॒घ्रि॒या॒य। च। शी॒भ्या॒य। च।
 नमः। ऊ॒र्म्या॒य। च। अ॒व॒स्व॒न्या॒येत्य॑व॒-स्व॒न्या॒य। च। नमः।
 स्रो॒त॒स्या॒य। च। द्वी॒प्या॒य। च॥(१२)

नमः। ज्ये॒ष्ठा॒य। च। क॒नि॒ष्ठा॒य। च। नमः। पू॒र्व॒जा॒येति॑ पू॒र्व॒-
 जा॒य। च। अ॒प॒र॒जा॒येत्य॑प॒र॒-जा॒य। च। नमः। म॒ध्य॒मा॒य।
 च। अ॒प॒ग॒ल्भा॒येत्य॑प॒-ग॒ल्भा॒य। च। नमः। ज॒घ॒न्या॒य।

च। बुध्नियाय। च। नमः। सोभ्याय। च। प्रतिसूर्यायेति
 प्रति-सूर्याय। च। नमः। याम्याय। च। क्षेम्याय। च।
 नमः। उर्वर्याय। च। खल्याय। च। नमः। श्लोक्याय।
 च। अवसान्यायेत्यव-सान्याय। च। नमः। वन्याय। च।
 कक्ष्याय। च। नमः। श्रवाय। च। प्रतिश्रवायेति प्रति-श्रवाय।
 च।(१३)

नमः। आशुषेणायेत्याशु-सेनाय। च। आशुरथायेत्याशु-
 रथाय। च। नमः। शूराय। च। अवभिन्दत इत्यव-भिन्दते।
 च। नमः। वर्मिणे। च। वरूथिने। च। नमः। बिल्मिने। च।
 कवचिने। च। नमः। श्रुताय। च। श्रुतसेनायेति श्रुत-सेनाय।
 च॥(१४)

नमः। दुन्दुभ्याय। च। आहन्यायेत्याह-हन्याय। च। नमः।
 धृष्णवे। च। प्रमृशायेति प्र-मृशाय। च। नमः। दूताय। च।
 प्रहितायेति प्र-हिताय। च। नमः। निषङ्गिण इति नि-सङ्गिने।
 च। इषुधिमत इतीषुधि-मतै। च। नमः। तीक्ष्णेष्व इति

तीक्ष्ण-इषवे। च। आयुधिने। च। नमः। स्वायुधायेति सु-
 आयुधाय। च। सुधन्वन् इति सु-धन्वने। च। नमः। स्रुत्याय।
 च। पथ्याय। च। नमः। काट्याय। च। नीप्याय। च। नमः।
 सूद्याय। च। सरस्याय। च। नमः। नाद्याय। च। वैशन्ताय।
 च।(१५)

नमः। कूप्याय। च। अवट्याय। च। नमः। वर्ष्पाय। च।
 अवर्ष्पाय। च। नमः। मेघ्याय। च। विद्युत्यायेति वि-
 द्युत्याय। च। नमः। ईध्रियाय। च। आतप्यायेत्या-तप्याय।
 च। नमः। वात्याय। च। रेष्मियाय। च। नमः। वास्तव्याय।
 च। वास्तुपायेति वास्तु-पाय। च॥(१६)

नमः। सोमाय। च। रुद्राय। च। नमः। ताम्राय। च।
 अरुणाय। च। नमः। शङ्गाय। च। पशुपतय इति
 पशु-पतये। च। नमः। उग्राय। च। भीमाय। च। नमः।
 अग्रेवधायेत्यग्रे-वधाय। च। दूरेवधायेति दूरे-वधाय। च।
 नमः। हत्रे। च। हनीयसे। च। नमः। वृक्षेभ्यः। हरिकेशेभ्य
 इति हरि-केशेभ्यः। नमः। ताराय। नमः। शम्भव इति

शम्-भवे॑। च॒। म॒यो॒भ॒व॒ इति॑ म॒यः-भवे॑। च॒। नमः॑।
 श॒ङ्क॒रा॒येति॑ शम्-क॒राय॑। च॒। म॒य॒स्क॒रा॒येति॑ म॒यः-क॒राय॑।
 च॒। नमः॑। शि॒वाय॑। च॒। शि॒व॒त॒रा॒येति॑ शि॒व-त॒राय॑। च॒। (१७)

नमः॑। ती॒र्था॒य। च॒। कू॒ल्या॒य। च॒। नमः॑। पा॒र्या॒य।
 च॒। अ॒वा॒र्या॒य। च॒। नमः॑। प्र॒त॒र॒णा॒येति॑ प्र-त॒र॒णाय॑। च॒।
 उ॒त्त॒र॒णा॒येत्यु॑त्-त॒र॒णाय॑। च॒। नमः॑। आ॒ता॒र्या॒येत्या॑-ता॒र्या॒य।
 च॒। आ॒ला॒द्या॒येत्या॑-ला॒द्या॒य। च॒। नमः॑। श॒ष्या॒य। च॒।
 फे॒न्या॒य। च॒। नमः॑। सि॒क॒त्या॒य। च॒। प्र॒वा॒ह्या॒येति॑
 प्र-वा॒ह्या॒य। च॒॥ (१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्या॒य। च॒। प्र॒प॒थ्या॒येति॑ प्र-प॒थ्या॒य। च॒। नमः॑।
 कि॒॒श्रि॒ला॒य। च॒। क्ष॒य॒णा॒य। च॒। नमः॑। क॒प॒र्दि॒नै॑। च॒।
 पु॒ल॒स्त॒र्यै॑। च॒। नमः॑। गो॒ष्ठ्या॒येति॑ गो-स्थ्या॒य। च॒। गृ॒ह्या॒य।
 च॒। नमः॑। त॒ल्पा॒य। च॒। गे॒ह्या॒य। च॒। नमः॑। का॒ट्या॒य।
 च॒। गृ॒ह्मे॒ष्टा॒येति॑ गृह्मे-स्था॒य। च॒। नमः॑। हृ॒द॒य्या॒य। च॒।
 नि॒वे॒ष्या॒येति॑ नि-वे॒ष्या॒य। च॒। नमः॑। पा॒॒स॒व्या॒य। च॒।

रज॒स्याय॑। च॒। नमः॑। शु॒ष्क्याय॑। च॒। हरि॒त्याय॑। च॒। नमः॑।
लो॒प्याय॑। च॒। उ॒ल॒प्याय॑। च॒।(१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्याय॑। च॒। सू॒र्म्याय॑। च॒। नमः॑। पु॒र्ण्याय॑। च॒।
प॒र्ण॒श॒द्यायेति॑ प॒र्ण॒श॒द्याय॑। च॒। नमः॑। अ॒प॒गु॒रमा॑णायेत्य॒प॒-
गु॒रमा॑णाय। च॒। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि॒घ्न॒ते। च॒। नमः॑।
आ॒खि॒व॒द॒त इत्या॑खि॒द॒ते। च॒। प्र॒खि॒व॒द॒त इति॑ प्र॒खि॒द॒ते।
च॒। नमः॑। वः॒। कि॒रि॒केभ्यः॑। दे॒वाना॑म्। हृद॑येभ्यः। नमः॑।
वि॒क्षी॒ण॒केभ्य॑ इति॑ वि॒क्षी॒ण॒केभ्यः॑। नमः॑। वि॒चि॒न्व॒त्केभ्य॑
इति॑ वि॒चि॒न्व॒त्केभ्यः॑। नमः॑। आ॒नि॒र्ह॒तेभ्य॑ इत्या॑नि॒-
ह॒तेभ्यः॑। नमः॑। आ॒मी॒व॒त्केभ्य॑ इत्या॑मी॒व॒त्केभ्यः॑॥(२०)

द्रा॒पे॑। अ॒न्ध॑सः। प॒ते। दरि॑द्र॒त्। नि॒ल॒लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॒-
लो॒हि॒त॑॥ ए॒षाम्। पु॒रु॒षा॒णाम्। ए॒षाम्। प॒शूना॑म्। मा॒। भेः॑।
मा॒। अ॒रः॑। मो॒ इति॑। ए॒षाम्। कि॒म्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॑॥
या॒। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॒भे॒ष॒जीति॑
वि॒श्वा॒ह॒भे॒ष॒जी॑॥ शि॒वा। रु॒द्रस्य॑। भे॒ष॒जी। तया॑। नः॑। मृ॒ड॒।
जी॒व॒सै॑॥ इ॒माम्। रु॒द्राय॑। त॒व॒सै॑। क॒प॒र्दि॒नै॑। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑

क्षयत्-वीराय। प्रेति। भ्रामहे। मतिम्॥ यथा॥ नः। शम्।
 असत्। द्विपद इति द्वि-पदे। चतुष्पद इति चतुः-पदे।
 विश्वम्। पुष्टम्। ग्रामे। अस्मिन्।(२१)

अनातुरमित्यना-तुरम्॥ मृडा। नः। रुद्र। उत। नः। मयः।
 कृधि। क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। नमसा। विधेम। ते॥
 यत्। शम्। च। योः। च। मनुः। आयज इत्या-यजे। पिता।
 तत्। अश्याम। तव। रुद्र। प्रणीताविति प्र-नीतौ॥ मा। नः।
 महान्तम्। उत। मा। नः। अर्भकम्। मा। नः। उक्षन्तम्।
 उत। मा। नः। उक्षितम्॥ मा। नः। वधीः। पितरम्। मा।
 उत। मातरम्। प्रियाः। मा। नः। तनुवः।(२२)

रुद्र। रीरिषः॥ मा। नः। तोके। तनये। मा। नः। आयुषि।
 मा। नः। गोषु। मा। नः। अश्वेषु। रीरिषः॥ वीरान्। मा।
 नः। रुद्र। भामितः। वधीः। हविष्मन्तः। नमसा। विधेम।
 ते॥ आरात्। ते। गोघ्न इति गो-घ्ने। उत। पूरुषघ्न इति
 पूरुष-घ्ने। क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। सुम्नम्। अस्मे इति।
 ते। अस्तु॥ रक्षा। च। नः। अधीति। च। देव। ब्रूहि। अधा।

च॒। नः॑। श॒र्म। य॒च्छ॒। द्वि॒र्ब॒र्हा इति॑ द्वि-ब॒र्हाः॑॥ स्तु॒हि। (२३)
 श्रु॒तम्। ग॒र्त॒सद॒मिति॑ ग॒र्त-सद॒म्। युवा॑नम्। मृ॒गम्। न।
 भी॒मम्। उ॒प॒हृ॒तम्। उ॒ग्रम्॥ मृ॒डा। ज॒रि॒त्रे। रु॒द्र। स्तवा॑नः।
 अ॒न्यम्। ते। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। सेनाः॑॥ परी॑ति।
 नः॑। रु॒द्रस्य॑। हे॒तिः। वृ॒ण॒क्तु। परी॑ति। त्वे॒षस्य॑। दु॒र्म॒तिरिति॑
 दुः-म॒तिः। अ॒घा॒यो॒रित्य॑घा-योः॥ अवे॑ति। स्थि॒रा। म॒घव॑ञ्च
 इति॑ म॒घव॑त्-भ्यः। त॒नुष्व॑। मी॒ढ्वः। तो॒काय॑। त॒नया॑य।
 मृ॒डय॑॥ मी॒ढु॒ष्टमे॑ति॒ मी॒ढुः-त॒म्। शि॒व॑त॒मेति॑ शि॒व॑-त॒म्।
 शि॒वः। नः॑। सु॒मना॑ इति॑ सु-मनाः॑। भ॒व॑॥ प॒र॒मे। वृ॒क्षे।
 आ॒यु॒धम्। नि॒धाये॑ति॒ नि-धा॑य। कृ॒त्ति॒म्। वसा॑नः। ए॒ति।
 च॒र। पि॒ना॒कम्। (२४)

बिभ्र॑त्। ए॒ति। ग॒हि॑॥ वि॒कि॒रि॒देति॑ वि-कि॒रि॒द्। वि॒लो॒हिते॑ति॒
 वि-लो॒हित॑। नमः॑। ते। अ॒स्तु। भ॒ग॒व॒ इति॑ भ॒ग-वः॑॥ याः। ते।
 स॒हस्र॑म्। हे॒तयः॑। अ॒न्यम्। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। ताः॥
 स॒हस्रा॑णि। स॒हस्र॑धेति॑ स॒हस्र॑-धा। बा॒हु॒वोः। त॒व। हे॒तयः॑॥
 तासा॑म्। इ॒शा॒नः। भ॒ग॒व॒ इति॑ भ॒ग-वः॑। प॒रा॒ची॒ना। मु॒खा॑॥

कृधि॥(२५)

सहस्राणि। सहस्रश इति सहस्र-शः। ये। रुद्राः। अधीति।
 भूम्याम्॥ तेषाम्। सहस्रयोजन इति सहस्र-योजने। अवेति।
 धन्वानि। तन्मसि॥ अस्मिन्। महति। अर्णवे। अन्तरिक्षे।
 भुवाः। अधि॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा
 इति शिति-कण्ठाः। शर्वाः। अधः। क्षमाचराः॥ नीलग्रीवा
 इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। दिवम्।
 रुद्राः। उपश्रिता इत्युप-श्रिताः॥ ये। वृक्षेषु। सस्मिञ्जराः।
 नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। विलोहिता इति वि-लोहिताः॥
 ये। भूतानाम्। अधिपतय इत्यधि-पतयः। विशिखास इति
 वि-शिखासः। कपर्दिनः॥ ये। अत्रेषु। विविध्यन्तीति वि-
 विध्यन्ति। पात्रेषु। पिबन्तः। जनान्॥ ये। पथाम्। पथिरक्षय
 इति पथि-रक्षयः। ऐलबृदाः। यव्युधः॥ ये। तीर्थानि॥(२६)

प्रचरन्तीति प्र-चरन्ति। सृकावन्त इति सृका-वन्तः।
 निषङ्गिण इति नि-सङ्गिनः॥ ये। एतावन्तः। च। भूयांसः।
 च। दिशः। रुद्राः। वितस्थिर इति वि-तस्थिरे॥ तेषाम्।

स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न इति॑ सह॒स्र-यो॒ज॒ने। अवेति॑। ध॒न्वा॒नि।
 त॒न्म॒सि॒॥ नमः॑। रु॒द्रेभ्यः॑। ये। पृ॒थि॒व्याम्। ये। अ॒न्तरि॑क्षे।
 ये। दि॒वि। येषा॑म्। अ॒न्नम्। वा॒तः। व॒रु॒षम्। इष॑वः।
 तेभ्यः॑। द॒श। प्रा॒चीः। द॒श। दक्षि॑णा। द॒श। प्र॒तीचीः॑। द॒श।
 उ॒दीचीः॑। द॒श। उ॒र्ध्वाः। तेभ्यः॑। नमः॑। ते। नः॑। मृ॒ड॒य॒न्तु।
 ते। यम्। द्वि॒ष्मः। यः। च॒। नः॑। द्वेष्टि॑। तम्। वः॑। ज॒म्भे॑।
 द॒धामि॑॥(२७)

त्र्य॑म्ब॒क॒मि॒ति॒ त्रि-अ॒म्ब॒क॒म्। य॒जा॒म॒हे। सु॒ग॒न्धि॒मि॒ति॒ सु-
 ग॒न्धि॒म्। पु॒ष्टि॒व॒र्ध॒न॒मि॒ति॒ पु॒ष्टि-व॒र्ध॒न॒म्॥ उ॒र्वारु॑कम्। इ॒व।
 ब॒न्ध॒नात्। मृ॒त्योः। मु॒क्षी॒य। मा। अ॒मृता॑त्॥ यो। रु॒द्रः। अ॒ग्नौ।
 यः। अ॒प्स्वि॒त्य॒प्-सु। या। ओष॑धीषु। यः। रु॒द्रः। वि॒श्वे॑।
 भुव॑ना। आ॒वि॒वेशे॑त्या॑-वि॒वेश॑। तस्मै॑। रु॒द्राय॑। नमः॑। अ॒स्तु॑॥
 ॥ॐ॑। शा॒न्तिः। शा॒न्तिः। शा॒न्तिः॑॥